# मुख्य परजीवी रोग एवं उनके उपचार

1. परजीवी रोग एवं उनके उपचार

## परजीवी रोग एवं उनके उपचार

| रोग एवं परजीवी | मध्यवर्ती परपोषी | परपोषी | प्रमुख लक्षण | उपचार |
|---|---|---|---|---|
| यकृत कृमि (लीवर फ्लूक) | जलीय घोंघा | गाय, भैंस, भेड़, बकरी | भूख की कमी, कब्जियत तथा दस्त, घेंघा फूलना | ऑक्सीक्लोजानाइड -10 से 15 मिग्रा. प्रति किलोग्राम शारीरिक वजन<br>हेक्साक्लोरोइयेन- 300 मिग्रा. प्रति किलोग्राम शारीरिक वजन<br>रुफोक्सानाइड |
| छेरा रोग (एम्फीस्टोमिओसिस) | जलीय घोंघा | गाय, भैंस, भेड़, बकरी | भूख की कमी, छेरा दस्त एवं घेंघा फूलना | उपरोक्त |
| कृमि रोग (गोल कृमि, फीता कृमि आदि) | - | पालतू पशु जैसे गाय, भैंस, भेड़, बकरी, घोड़ा, सूकर, मुर्गी आदि | दस्त | पिपराजीन कम्पाउंड 66 मिग्रा. प्रति किलोग्रा. शारीरिक वजन लेवामिसोल-7.5 मिग्रा. प्रति किलोग्राम<br>शारीरिक वजन मोरेन्टल टारटरेट-10 मिग्रा. प्रति किलोग्राम शारीरिक वजन |
| हुक कृमि | - | कुत्ता | कमजोरी, रक्तअल्पता खून तथा आँव मिला मल | टेट्रामिसोल 15-20 मिग्रा. प्रति किग्रा. शारीरिक वजन की दर से खिलाना है।<br>मेबेन्डाजेला 40-50 मिग्रा. प्रति ग्रा. शारीरिक वजन की दर से खिलाना है। |
| कॉक्सिडियोसिस | - | गाय, भैंस, बकरी, घोड़ा, सूकर, मुर्गा | भूख की कमी, छेरा, खूनी दस्त | गाय, भैंस, भेड़, बकरी को अम्प्रोलियम 20-40 मिग्रा. प्रति किलो वजन 4-5 दिनों तक मुर्गियों को सल्फाडाइमीडीन (0.2:) या सल्फाक्वलीनोक्सलीन (0.5:) 5-7 दिनों तक पीने के पानी में |
| थेलेरियोसिस | अप्रैल या चमोकन (टीक्स) | संकर एवं उन्नत नस्ल की गाय | तेज बुखार ($108^0$ सें.ग्रे. तक) लिम्फ ग्रथियों में सूजन रक्त अल्पता, गर्भपात, खूनी दस्त | टेट्रासाइक्लिन-10 मिग्रा. प्रति किलोग्राम शारीरिक वजन ब्यूटालेक्स (बूपारवक्विनोन) -2.5 मिग्रा. प्रति किलोग्राम मांस में सूई द्वारा |
| बेबेसियोसिस | अठेला या चमोकन (टीक्स) | गाय, घोड़ा, कुत्ता, भेड़ एवं बकरी | तेज बुखार ($106^0$ सें.ग्रे. तक) लाल पेशाब एवं रक्त अल्पता | बेरेनील-2 से 3.5 मिग्रा. प्रति किलोग्रा. शारीरिक वजन ट्रिपानब्लू-1 प्रतिशत घोल, कुत्ते में 5 से 10 सी.सी. एवं गाय में 50 से 100 सी.सी. सूई द्वारा खून में। |
| ट्रिप्नोसोमिएसिस (सर्रा रोग) | रक्त चूसक मक्खी | मनुष्य, गाय, भैंस, भेड़, बकरी, घोड़ा, ऊँट, कुत्ता | तेज बुखार, भूख की कमी रुक-रुक कर पेशाब करना,चक्कर आना। | बेरेनील-3.5 मिग्रा. प्रति किलोग्राम शारीरिक वजन सूई द्वारा चमड़े में या मांस में।<br>एंट्रीसाइड प्रोसाल्ट 7.5 मिग्रा. प्रति किग्रा. वजन के अनुसार सलाइन जल में घोल बनाकर चमड़े के नीचे सूई द्वारा। |
| अठैल या चमोकन | - | सभी पालतू पशु-पक्षी | खून की कमी, खुजली, बाल झड़ना, अस्थिरता | पशुशाला के फर्श एवं दीवारों को कीटनाशी दवा के जलीय घोल से धोना। पशुओं पर साइपरमेथ्रीम एवं फेनवेलरेट का 0.033 प्रतिशत जलीय घोल या मालाथियान 0.25% का छिड़काव। |
| खाज या स्कैबीज | - | बकरी, कुत्ता, सूकर | चमड़े में लालिमा और सूजन बाल झड़ना, खुजलाहट | आइभाभेकटीन 200 माइक्रोग्राम प्रति किग्रा. शारीरिक वजन के अनुसार चमड़े में सूई द्वारा। नीम+करंज तेल कपूर तथा गंधक के मिश्रण की चमड़े पर मालिश। |

स्त्रोत: कृषि विभाग, झारखंड सरकार

© 2006–2019 C–DAC.All content appearing on the vikaspedia portal is through collaborative effort of vikaspedia and its partners.We encourage you to use and share the content in a respectful and fair manner. Please leave all source links intact and adhere to applicable copyright and intellectual property guidelines and laws.